गांधी 150 के अवसर पर 'गांधी के सपनों का भारत एवं ग्रामीण सहभागिता' पर 3 दिवसीय कार्यशाला

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी समाज कार्य केंद्रमहात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एवं कमलनयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन, वर्धा

वर्धा। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के फ्यूजी गुरुजी समाज कार्य अध्ययन केंद्र एवं कमलनयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन, वर्धा के संयुक्त तत्वाधान में **'गांधी के सपनों का भारत एवं ग्रामीण सहभागिता'** पर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 30/09/2019 से 02/10/2019 तक किया जा रहा हैं। उक्त आयोजन

का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को **गांधी 150** के अवसर पर व्यावहारिक धरातल पर शिक्षा के व्यावाहरिक ज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी उपलब्ध कराना था।

उक्त कार्यक्रम का निर्देशन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार एवं बजाज फाउंडेशन के कार्यक्रम अधिकारी मों.जावेद रिजवी, वर्धा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हिंदी विवि के समाज कार्य केंद्र के एम. एस.डब्ल्यू. तृतीय सेमेस्टर, एम. फिल समाज कार्य के छात्र-छात्रा एवं कमलनयन जमनालाल बजाज फाउंडेशन के प्रतिभागी प्रमुख भूमिका में थे। कार्यशाला का प्रारंभ हिंदी विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलसचिव कद्दर नवाज खान की अध्यक्षता में हुआ, जिसमे **मुख्य अतिथि गौतम भाई बजाज** (विनोबा भावे आश्रम), विशिष्ठ अतिथि जमनालाल बजाज फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक राजू पवार उपस्थित थे। कार्यक्रम प्रारम्भ करते हुए विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ.मिथिलेश कुमार ने तीन दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र में विनोबा आश्रम के गौतम जी ने समाजकार्य के

विद्यार्थी को गाँव की समस्या को समझने और लोगो के अपने संबंध कैसे अच्छे करे इस पर संक्षिप्त बात की। जिसके पश्चात जमनालाल बजाज फाउंडेशन के कार्यक्रम समन्वयक राजू पवार ने फाउंडेशन के कार्य को संक्षिप्त रूप में रखा। प्रथम सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलसचिव ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करते

हुए ग्रामीण परिवेश में किस तरह से काम किया जा सकता है के संदर्भ में बातो को रखा। विस्तृत रूप से चर्चा में गौतम बजाज जी ने गांधी एवं विनोबा के ग्रामीण विकास की अवधारणा को समझाते हुए गांधी व विनोबा जी के ग्रामीण विकास चिंतन में बात की इसके पश्चात राजू पवार जी गाँव मे सहभागिता हेतु उपयोग होने वाले विभिन्न तकनीकों को विस्तार से समझाया

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के समापन अवसर पर केंद्र के सहायक प्रा. डॉ.शिवसिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए उन्हें गांधी जी के मूल मंत्र के बारे में बताया और विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना दी और कहा कि यह कार्यशाला मुख्य रूप से 2 दिन सैद्धांतिक तौर पर विश्वविद्यालय में आयोजित होगी एवं समापन 1 दिन क्षेत्र कार्य व्यवहार के रूप में 2 अक्टुबर गांधी जयंती के अवसर पर ग्राम गणेशपुर में रखा जाएगा जिससे विद्यार्थी आस-पास के गांव में जाकर ग्रामीण सहभागिता आकलन तकनीक का प्रयोगिक कार्य कर सकेंगे। । कार्यक्रम के समापन सत्र में समाज कार्य केंद्र के प्राध्यापक डॉ. आमोद गुर्जर, डॉ. पल्लवी शुक्ला, डॉ. उमेश कुमार एवं समस्त विद्यार्थी, शोधार्थी मोजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन डां. शिवसिंह बघेल एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गजानन निलामें ने किया।